

“The Thief’s Story”

“The Thief’s Story” is a touching tale written by Ruskin Bond. The story is narrated by a young thief named Hari Singh. It describes how love, trust, and human values can transform even the most hardened criminals. The story teaches that every human being has a good side, and sometimes all they need is kindness to bring it out.

Hari Singh was a thief by profession though he was only fifteen years old. He used different fake names to avoid being caught by the police or previous employers. He would meet new people, gain their trust, and then rob them. One day, at a wrestling match, he met a simple, kind, and humble man named Anil. Anil was around twenty-five years old, tall, and lean. He was a struggling writer who earned money irregularly. Hari decided that Anil would be an easy target because he was kind and simple-hearted.

Hari Singh approached Anil and tried to start a conversation. He pretended to be friendly and asked if Anil would give him work. Anil said he could not pay him at first, but if he stayed, Anil would feed him. Hari accepted this offer because he saw a chance to live with Anil and eventually steal from him.

Hari began to live with Anil in his rented room. Anil was generous and treated Hari like a younger brother. He taught Hari how to cook. However, Hari did not know how to cook and often made mistakes. Instead of scolding him, Anil would laugh kindly. Hari also learned to steal a little money when buying groceries. But Anil never mentioned it; perhaps he knew but chose to ignore it because he trusted Hari.

One day, Anil told Hari that he would teach him how to read and write. He said that being educated could change Hari’s life and give him a bright future. Hari felt touched by this kindness. No one had ever cared for him in this way. He began to dream of becoming an educated and respected person.

However, Hari’s habit of stealing was still present. One evening, Anil came home with money—six hundred rupees. He had sold one of his books to a publisher and had been paid for it. This attracted Hari’s attention. He thought this was his golden chance. That night, when Anil was asleep, Hari quietly took the money from under his mattress.

But once he stepped outside, his mind was filled with confusion. He felt guilty. He realized that by stealing the money, he was not only taking away something valuable from Anil but also destroying the trust and love Anil had shown him. Anil had trusted him completely and wanted to educate him. Stealing the money meant losing that chance to change his life forever.

Hari ran to the railway station, planning to escape by train. But the train left before he could decide to board. The weather was cold and windy. He sat outside the station and began to think. He realized that Anil’s trust was more valuable than six hundred rupees. He understood that if he stayed with Anil, he could become educated and lead an honest life. If he ran away, he would remain a thief forever.

After long thinking, Hari decided to return. He went back to Anil’s room and quietly put the money back under the mattress, though the notes had become wet from the rain.

The next morning, Anil woke up and gave Hari fifty rupees. There was something new about this act. The money was clean and crisp, not wet. This meant Anil knew everything, yet he did not mention the robbery. Instead of blaming or punishing Hari, Anil accepted him and said he would now teach him to write full sentences.

Anil’s silent understanding and forgiveness changed Hari completely. He realized that trust and love are more powerful than greed. He decided never to steal again.

The story ends with a beautiful message: Kindness can change a person’s life more than any punishment can.

“The Thief’s Story”

“The Thief’s Story” Ruskin Bond द्वारा लिखित एक मार्मिक कहानी है। यह कहानी हरि सिंह नाम के एक युवा चोर द्वारा सुनाई गई है। यह बताती है कि कैसे प्यार, विश्वास और मानवीय मूल्य सबसे खूँखार अपराधियों को भी बदल सकते हैं। कहानी सिखाती है कि हर इंसान में एक अच्छा पक्ष होता है, और कभी-कभी उसे बाहर लाने के लिए बस दयालुता की ज़रूरत होती है।

हरि सिंह पेशे से चोर था, हालाँकि उसकी उम्र सिर्फ़ पंद्रह साल थी। पुलिस या पिछले मालिकों द्वारा पकड़े जाने से बचने के लिए वह अलग-अलग नकली नाम रखता था। वह नए लोगों से मिलता, उनका विश्वास जीतता और फिर उन्हें लूटता। एक दिन, एक कुश्ती दंगल में, उसकी मुलाकात अनिल नाम के एक सीधे-सादे, दयालु और विनम्र व्यक्ति से हुई। अनिल लगभग पच्चीस साल का, लंबा और दुबला-पतला था। वह एक संघर्षशील लेखक था जो अनियमित रूप से पैसा कमाता था। हरि ने तय किया कि अनिल एक आसान निशाना होगा क्योंकि वह दयालु और सरल हृदय का था।

हरि सिंह अनिल के पास गया और बातचीत शुरू करने की कोशिश की। उसने दोस्ताना व्यवहार का नाटक किया और पूछा कि क्या अनिल उसे काम देगा। अनिल ने कहा कि वह उसे पहले तो पैसे नहीं दे सकता, लेकिन अगर वह रुका, तो अनिल उसे खाना खिलाएगा। हरि ने यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया क्योंकि उसे अनिल के साथ रहने और अंततः उससे चोरी करने का मौका दिखाई दिया।

हरि अनिल के साथ उसके किराए के कमरे में रहने लगा। अनिल उदार था और हरि को छोटे भाई जैसा मानता था। उसने हरि को खाना बनाना सिखाया। हालाँकि, हरि खाना बनाना नहीं जानता था और अक्सर गलतियाँ करता था। उसे डाँटने के बजाय, अनिल प्यार से हँसता था। हरि ने किराने का सामान खरीदते समय थोड़े पैसे चुराना भी सीख लिया था। लेकिन अनिल ने कभी इसका ज़िक्र नहीं किया; शायद वह जानता था, लेकिन हरि पर भरोसा करने के कारण उसने इसे अनदेखा करना चुना।

एक दिन, अनिल ने हरि से कहा कि वह उसे पढ़ना-लिखना सिखाएगा। उसने कहा कि शिक्षित होने से हरि का जीवन बदल सकता है और उसे एक उज्ज्वल भविष्य मिल सकता है। हरि इस दयालुता से प्रभावित हुआ। किसी ने पहले कभी उसकी इस तरह से परवाह नहीं की थी। वह एक शिक्षित और सम्मानित व्यक्ति बनने का सपना देखने लगा।

हालाँकि, हरि की चोरी करने की आदत अभी भी बनी हुई थी। एक शाम, अनिल पैसे लेकर घर आया—छह सौ रुपये। उसने अपनी एक किताब एक प्रकाशक को बेची थी और उसे उसकी कीमत चुकाई गई थी। इसने हरि का ध्यान आकर्षित किया। उसने सोचा कि यह उसके लिए सुनहरा मौका है। उस रात, जब अनिल सो रहा था, हरि ने चुपचाप उसके गद्दे के नीचे से पैसे निकाल लिए।

लेकिन जैसे ही वह बाहर निकला, उसका मन उलझन से भर गया। उसे अपराधबोध हुआ। उसे एहसास हुआ कि पैसे चुराकर, वह न केवल अनिल से कुछ कीमती चीज़ छीन रहा था, बल्कि अनिल का उस पर जताया गया भरोसा और प्यार भी तोड़ रहा था। अनिल उस पर पूरा भरोसा करता था और उसे शिक्षित करना चाहता था। पैसे चुराने का मतलब था अपनी ज़िंदगी हमेशा के लिए बदलने का वह मौका गँवाना।

हरि ट्रेन से भागने की योजना बनाते हुए रेलवे स्टेशन की ओर भागा। लेकिन उसके चढ़ने से पहले ही ट्रेन चल पड़ी। मौसम ठंडा और तेज़ था। वह स्टेशन के बाहर बैठ गया और सोचने लगा। उसे एहसास हुआ कि अनिल का भरोसा छह सौ रुपयों से ज़्यादा कीमती है। वह समझ गया कि अगर वह अनिल के साथ रहेगा, तो वह शिक्षित हो सकता है और ईमानदारी से ज़िंदगी जी सकता है। अगर वह भाग गया, तो हमेशा के लिए चोर ही रहेगा।

काफ़ी सोचने के बाद, हरि ने लौटने का फैसला किया। वह अनिल के कमरे में वापस गया और चुपचाप पैसे वापस गद्दे के नीचे रख दिए, हालाँकि नोट बारिश से भीग गए थे।

अगली सुबह, अनिल उठा और हरि को पचास रुपये दिए। इस कृत्य में कुछ नया था। पैसे गीले नहीं, बल्कि साफ़ और कुरकुरे थे। इसका मतलब था कि अनिल को सब पता था, फिर भी उसने चोरी का ज़िक्र नहीं किया। हरि को दोष देने या सज़ा देने के बजाय, अनिल ने उसकी बात मान ली और कहा कि अब वह उसे पूरे वाक्य लिखना सिखाएगा।

अनिल की मौन समझ और क्षमाशीलता ने हरि को पूरी तरह बदल दिया। उसे एहसास हुआ कि भरोसा और प्यार लालच से ज़्यादा ताकतवर होते हैं। उसने फिर कभी चोरी न करने का फैसला किया।

कहानी एक खूबसूरत संदेश के साथ समाप्त होती है: दया किसी भी सज़ा से ज़्यादा किसी इंसान की ज़िंदगी बदल सकती है।

1. Why did Hari Singh change his name frequently? हरी सिंह अपना नाम बार-बार क्यों बदलता था?

Ans. Hari Singh changed his name often to avoid being traced by the police or his old employers. It helped him continue his thefts safely.

हरी सिंह अपना नाम इसलिए बदलता था ताकि पुलिस या पुराने मालिक उसे पहचान न सकें और वह सुरक्षित रूप से चोरी कर सके।

2. How did Hari Singh meet Anil? हरी सिंह की मुलाकात अनिल से कैसे हुई?

Answer: Hari Singh met Anil at a wrestling match. He approached him, tried to be friendly, and asked Anil to employ him for work.

हरी सिंह की मुलाकात अनिल से एक कुश्ती मुकाबले में हुई। उसने अनिल से दोस्ती करने की कोशिश की और काम देने के लिए कहा।

3. Why did Hari want to work for Anil? हरी अनिल के लिए काम क्यों करना चाहता था?

Answer: Hari wanted to work for Anil because he looked simple and trusting. Hari believed he could easily gain his confidence and later steal from him.

हरी अनिल के लिए काम इसलिए करना चाहता था क्योंकि वह सरल और भरोसेमंद दिखते थे। हरी सोचता था कि वह उनका विश्वास जीतकर चोरी कर सकता है।

4. What kind of person was Anil? अनिल किस प्रकार का व्यक्ति था?

Answer: Anil was kind, simple, and honest. He treated Hari like a younger brother and even decided to teach him reading and writing for his better future.

अनिल दयालु, सरल और ईमानदार व्यक्ति था। उसने हरी को छोटे भाई जैसा रखा और उसका भविष्य सुधारने के लिए उसे पढ़ाना-लिखाना चाहा।

5. Why did Hari decide to steal Anil's money? हरी ने अनिल के पैसे चुराने का निर्णय क्यों लिया?

Answer: Hari saw Anil had brought home six hundred rupees. His old habit and greed tempted him to steal the money and run away.

हरी ने देखा कि अनिल 600 रुपये लाया है। उसकी पुरानी आदत और लालच ने उसे पैसे चुराकर भागने के लिए उकसाया।

6. Why didn't Hari board the train after stealing the money?

पैसे चुराने के बाद हरी ने ट्रेन में चढ़ने से क्यों मना किया?

Answer: Hari felt guilty and remembered Anil's kindness. He realized that stealing would destroy his chance to learn and become a better person.

हरी को अपराधबोध हुआ और अनिल की दयालुता याद आई। उसे लगा कि चोरी करने से उसका सुधारने और सीखने का अवसर खो जाएगा।

7. What was the turning point in Hari's life? हरी के जीवन में मोड़ कब आया?

Answer: The turning point came when Hari realized that trust and education were more valuable than money. He returned the stolen money to Anil.

मोड़ तब आया जब हरी को समझ आया कि विश्वास और शिक्षा पैसे से अधिक महत्वपूर्ण हैं। इसलिए उसने चोरी किया हुआ पैसा वापस रख दिया।

8. How did Anil react when Hari returned the money? हरी के पैसे लौटाने पर अनिल ने क्या प्रतिक्रिया दी?

Answer: Anil understood everything but did not scold or punish Hari. He simply decided to continue teaching him, showing silent forgiveness.

अनिल सब समझ गया, पर उसने न डांटा और न सजा दी। उसने चुपचाप उसे पढ़ाना जारी रखा और क्षमा दिखाया।

9. What does the story teach us? यह कहानी हमें क्या सिखाती है?

Answer: The story teaches that kindness and trust can reform even a criminal. Love and understanding can change a person more than punishment.

कहानी सिखाती है कि दयालुता और विश्वास अपराधी को भी बदल सकते हैं। प्रेम और समझ दंड से अधिक प्रभावी होते हैं।

10. Why was learning to read and write important for Hari? हरी के लिए पढ़ना-लिखना क्यों महत्वपूर्ण था?

Answer: Learning to read and write would give Hari new opportunities, respect, and a chance to leave his life of crime forever.

पढ़ना-लिखना हरी को नए अवसर, सम्मान और अपराध के जीवन से हमेशा के लिए दूर होने का अवसर दे सकता था।